



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 239]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 9, 1978/वैशाख 19, 1900

No. 239]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 9, 1978/VAISAKHA 19, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

आदेश

नई दिल्ली, 9 मई, 1978

का० आ० 312—(आ) यतः काल्टेक्स आयल रिफाइनिंग (इंडिया) लिमिटेड, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित कम्पनी है और इसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय काल्टेक्स हाउस, फोर्ट, मुम्बई में है तथा पेट्रोलियम उत्पादों के विनिर्माण और विपणन का कारबार करती है तथा आन्ध्र प्रदेश (भारत) में विशाखापट्टनम में तेल की परिष्करणशील बसती है।

और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड भी कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित कम्पनी है और इसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पेट्रोलियम हाउस, 17, जमशेवजी टाटा रोड, मुम्बई 400020 में है तथा पेट्रोलियम उत्पादों के विनिर्माण और विपणन का कारबार करती है तथा तेल परिष्करणशाली बसती है ;

और दोनों कम्पनियों के सभी शेयर केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत के राष्ट्रपति के नाम में धारित हैं ;

और कम्पनी विधि बोर्ड का यह समाधान हो गया है कि यह लोकहित में आवश्यक है कि काल्टेक्स आयल रिफाइनिंग (इंडिया) लिमिटेड को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के साथ समामेलित कर दिया

जाना चाहिए, ताकि दोनों कम्पनियों का उत्पादन विपणन और अन्य क्रियाकलाप एकल कम्पनी द्वारा अधिक वक्षतापूर्णतया और मितव्ययिता से किया जा सके ;

और प्रस्तापित आदेश के प्ररूप की एक प्रति दोनों कम्पनियों अर्थात् काल्टेक्स आयल रिफाइनिंग (इंडिया) लिमिटेड और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड को भेज दी गई है और उनसे प्राप्त सुझावों पर कम्पनी विधि बोर्ड द्वारा विचार कर लिया गया है तथा उनमें से किसी से भी कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः, अब, कम्पनी विधि बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 443 (ई), तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम—इस आदेश का संक्षिप्त नाम (काल्टेक्स आयल रिफाइनिंग (इंडिया) लिमिटेड तथा हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड समामेलन आदेश, 1978 है।

2. परिभाषाएं—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसकी यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाए ;

(ख) का० आ० रि० इ० लि० से काल्टेक्स आयल रिफाइनिंग (इंडिया) लिमिटेड अभिप्रेत है ;

(ग) हि० पे० का० लि० से हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड अधिप्रेत है।

3. कम्पनियों का समामेलन—का० प्रा० रि० इ० लि० का उपक्रम नियत दिन को हि० पे० का० लि० को अन्तरित और उसमें निहित हो जाएगा, यह कम्पनी ऐसा अन्तरण होते ही, समामेलन से बनी कम्पनी समझी जाएगी।

स्पष्टीकरण—उपरोक्त का० प्रा० रि० इ० लि० के उपक्रम के संबंध में यह समझा जाएगा कि उसमें ऐसी सभी आस्तियाँ, अधिकार, पेटेंट, अभिवृत्तियाँ, शक्तियाँ, प्राधिकार और विशेषाधिकार, पेटेंट के प्रयोग के लिए व्यापार चिन्ह, व्यापार नाम, पेटेंट अधिकार और अनुवृत्तियाँ तथा सभी सम्पत्ति चाहे वह जंगम हो या स्थावर, मूर्त हो या धर्मूर्त (जिसमें नकद और बैंक भतिशेष भी सम्मिलित हैं), आरक्षित निधियाँ, बही ऋण, बकाया, आरक्षितियाँ, राजस्व खाते के भतिशेष, विनिधान और ऐसी सम्पत्ति और अधिकारों में या उनमें से उद्भूत होने वाले अन्य सभी अधिकार और हित जो नियत दिन के ठीक पूर्व उसके उपक्रम के संबंध में का० प्रा० रि० इ० लि० के स्वायत्त, कब्जे, शक्ति या नियंत्रण में थे और उनसे संबंधित किसी भी प्रकार की सभी बहियाँ, लेखे, रजिस्टर, अभिलेख और अन्य सभी दस्तावेजों सम्मिलित हैं तथा उस उपक्रम के बारे में यह भी समझा जाएगा कि उसमें उसके उपक्रम के संबंध में का० प्रा० रि० इ० लि० के उस समय विद्यमान किसी भी प्रकार के सभी उधार, ऋण और अन्य दायित्व (जिनके अन्तर्गत उसके उपक्रमों के सम्बन्ध में नियोजित व्यक्तियों को किसी पेंशन या अन्य पेंशन फायदों के संदाय की जिम्मेदारी भी है) तथा बाध्यताएँ सम्मिलित हैं।

4. सम्पत्ति को कतिपय वर्षों का अन्तरण—इस आदेश के प्रयोजनों के लिए, नियत दिन के ठीक पूर्ववर्ती दिन को का० प्रा० रि० इ० लि० के सभी लाभ और हानियाँ तथा आरक्षितियाँ, हि० पे० का० लि० को निम्न प्रकार से अन्तरित की जाएगी:—

- (क) लाभ या हानियाँ हि० पे० का० लि० के क्रमशः लाभ या हानियों को अन्तरित की जाएगी;
- (ख) विकासार्थ रिजर्व आरक्षित हि० पे० का० लि० की विकासार्थ रिजर्व आरक्षित को अन्तरित की जाएगी;
- (ग) राजस्व और पूंजी आरक्षितियाँ हि० पे० का० लि० की राजस्व और पूंजी आरक्षितियों को अन्तरित की जाएगी।

5. संविदाएँ, अधि की व्यावृत्ति—इस आदेश के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए और कालटेक्स [कालटेक्स प्रायस रिफाइनिंग (इण्डिया) लिमिटेड के शेयरों तथा कालटेक्स (इण्डिया) लिमिटेड के भारत में उपक्रमों का अर्जन] अधिनियम, 1977 की धारा 15 के अधीन केन्द्रीय सरकार को प्रवृत्त शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान या प्रभावी सभी संविदाएँ, विलेख, बन्धन, करार और सभी प्रकार की अन्य लिखतें जिनकी का० प्रा० रि० इ० लि० पक्षकार है, उस तारीख से हि० पे० का० लि० के, यथास्थिति, विरुद्ध या पक्ष में पूर्णतः प्रवृत्त या प्रभावी होंगी तथा पूर्णतया और प्रभावी तौर पर इस प्रकार प्रवृत्त की जा सकेंगी, मानो का० प्रा० रि० इ० लि० के स्थान पर हि० पे० का० लि० उसकी पक्षकार हो या मागो वे हि० पे० का० लि० के पक्ष में निष्पादित की गई हों;

6. विधिक कार्यवाही की व्यावृत्ति—यदि नियत दिन को का० प्रा० रि० इ० लि० द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, माध्यस्थम्, अपील या किसी भी प्रकार की अन्य राजस्व या विधिक कार्यवाही संबन्धित हो तो का० प्रा० रि० इ० लि० के उपक्रम को हि० पे० का० लि० को अन्तरण या इस आदेश में अन्तर्विष्ट किसी बात के कारण उसका उपशमन नहीं होगा, उन्हें रोका नहीं जाएगा या उन पर किसी भी प्रकार प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, किन्तु वह वाद, माध्यस्थम्, अपील या अन्य कार्यवाही

हि० पे० का० लि० द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक चालू रखी जा सकेगी, अभियोजित की जा सकेगी और प्रवृत्त की जा सकेगी जिस रीति से और जहाँ तक कि वह, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता तो, का० प्रा० रि० इ० लि० द्वारा या उसके विरुद्ध चालू रखी, अभियोजित और प्रवृत्त की जाती या की जा सकती।

7. हि० पे० का० लि० की पूंजी की संरचना—नियत दिन से हि० पे० का० लि० की प्राधिकृत शेयर पूंजी 10,75,00,000 रुपये (दस करोड़ पचहत्तर लाख रुपये) से 20,75,00,000 रुपये (बीस करोड़ पचहत्तर लाख रुपये) तक बढ़ जाएगी और निम्नलिखित रूप से विभाजित रहेगी:

	रुपए
(क) सौ रुपये प्रति संक्षिप्त मोचनीय अधिमामी शेयर	75 00 000
(ख) एक हजार रुपये प्रति साधारण शेयर	20,75,00,000
योग	20,75,00,000

(2) हि० पे० का० लि० 5,20,00,000 रुपये (पाँच करोड़ बीस लाख रुपये) के संक्षिप्त मूल्य के 52,000 पूर्णतः संवत्त साधारण शेयर पुरोषुत करेगी जो भारत के राष्ट्रपति को भर्त्तिव किए जाएंगे।

8. साधारण शेयरधारकों के अधिकार—(1) नियत दिन के पश्चात् यथा लक्ष्य शीघ्र, हि० पे० का० लि० का निदेशक-बोर्ड नए शेयर प्रमाण-पत्र तैयार करेगा जो हि० पे० का० लि० के 1,000 रुपये प्रति साधारण शेयर के हिसाब से 52,000 साधारण शेयरों के लिए होंगे।

(2) हि० पे० का० लि०, केन्द्रीय सरकार को, जिसका प्रतिनिधित्व भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय के सचिव द्वारा किया गया है, शक द्वारा, एक सूचना भेजेगा, जिसमें उन शेयर प्रमाणपत्रों की विशिष्टियाँ दी जाएंगी जो खण्ड 7 के उप-खण्ड (2) के अधीन उनके हकदारी के निबन्धनों के अनुसार उनमें से प्रत्येक को पुरोषुत किए जाने हैं।

9. कराधान के बारे में उपबन्ध—नियत दिन के पूर्व का० प्रा० रि० इ० लि० द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अधिलामों के बारे में सभी कर, हि० पे० का० लि० द्वारा उस विस्तार तक संवेद्य होंगे जहाँ तक कि वे, यदि यह आदेश न किया गया होता तो, आ० ला० रि० इ० लि० द्वारा संवेद्य होते।

10. विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के बारे में उपबन्ध—

(1) का० प्रा० रि० इ० लि० में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्ण-कालीक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (जिसके अन्तर्गत निदेशक नहीं है) नियत दिन से, यथास्थिति, हि० पे० का० लि० का अधिकारी या अन्य कर्मचारी हो जाएगा और उसी अवधि तक और उन्हीं निबन्धनों और शर्तों पर तथा पेन्शन, भविष्य निधि या उपदान के बारे में उन्हीं अधिकारों और विशेषाधिकारों सहित उसमें अपना पक्ष धारण करेगा या सेवा करेगा जो कि उसे, यदि यह आदेश न किया गया होता, तो का० प्रा० रि० इ० लि० के अधीन अनुज्ञेय होते और उनका ऐसा होना तब तक जारी रहेगा जब तक कि हि० पे० का० लि० में से उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता है या जब तक कि उसके पारिश्रमिक या सेवा की शर्तें हि० पे० का० लि० द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं की जाती हैं।

(2) नियत दिन के ठीक पूर्व, का० प्रा० रि० इ० लि० के संपरीक्षकों के रूप में पद धारण करने वाले व्यक्ति इस प्रकार समामेलित का० प्रा० रि० इ० लि० के उपक्रम की बाबत हि० पे० का० लि० के संरक्षक हो जाएंगे और आगामी वार्षिक साधारण अधिवेशन की समाप्ति तक पद

धारण करेंगे, परन्तु संपरीक्षा की प्रक्रिया, नियत दिन से कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 619 की उपधारा (3), (4) और (5) के उपबन्धों द्वारा शासित की जाएगी।

11. बहिष्कृत निधि : अधिवाचक-निधि, कल्याण निधि और अन्य निधि:—

(1) यदि कां० प्रा० रि० लि० ने अपने अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के फायदे के लिए बहिष्कृत निधि, अधिवाचक-निधि, कल्याण निधि या कोई अन्य निधि स्थापित की हो और उसके बारे में कोई न्याय (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस खण्ड में विद्यमान न्याय कहा गया है) गठित किया हो तो नियत दिन को ऐसी निधि के लेखों में जमा रकमें, ऐसी निधियों से संबंधित अन्य आस्तियों सहित, बिना ऐसे किसी न्याय के, नियत दिन को हि० पे० कां० लि० को अन्तर्गत हो जाएंगे और उसमें निहित रहेगी।

(2) हि० पे० कां० लि० नियत दिन के पश्चात्, यथास्थायी शोध, उन रकमों और अन्य आस्तियों के बारे में, जो उपखण्ड (1) के अधीन उसे अन्तर्गत की गई है और उसमें निहित हैं, वैसे ही उद्देश्य, निर्बन्धन और शर्तें रखने वाले, जो कि विद्यमान न्यायों के उद्देश्यों निर्बन्धनों और शर्तों के समरूप हों, ऐसे एक या अधिक न्याय गठित करेगा जो कि परिस्थितियों में लाभ्य हो। किन्तु विद्यमान न्यायों के हितधिकारियों के अधिकारियों और हितों में किसी भी प्रकार से कमी नहीं की जाएगी या उन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डाला जाएगा।

(3) जहां किसी विद्यमान न्याय से संबंधित सभी रकमें और अन्य आस्तियां इस खण्ड के अधीन हि० पे० कां० लि० को अन्तर्गत की जाती हैं और उसमें निहित हो जाती हैं, वहां ऐसे न्याय के न्यासी, नियत दिन के पूर्व की गई या किए जाने से छोड़ी गई बातों के बारे में सिवाय, नियत दिन से न्याय से उन्मोचित हो जाएंगे।

12. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड का निदेशक बोर्ड:— कां० प्रा० रि० ई० लि० का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व ऐसा पद धारण करता रहा था, नियत दिन को कां० प्रा० रि० ई० लि० का निदेशक नहीं रहेगा।

13. कां० प्रा० रि० ई० लि० का विच्छेद:— इस प्रादेश के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए नियत दिन से कां० प्रा० रि० ई० लि० विच्छेदित हो जाएगी और कोई भी व्यक्ति कां० प्रा० रि० ई० लि० के विरुद्ध या ऐसे निदेशक या अधिकारी के विरुद्ध उसके किसी निदेशक या अधिकारी की हस्तियत से वहां के सिवाय जहां तक कि इस प्रादेश के उपबन्धों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो, कोई दावा नहीं करेगा या कोई मांग नहीं करेगा, या कोई कार्यवाही नहीं करेगा।

14. कम्पनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण:— कम्पनी विधि बोर्ड, इस प्रादेश के जारी होने के पश्चात् यथाशीघ्र कम्पनी रजिस्ट्रार महाराष्ट्र को इस प्रादेश की एक प्रति और हि० पे० कां० लि० के इस प्रादेश द्वारा यथा परिवर्तित आपन और संगम अनुच्छेद की मुद्रित प्रति भेजेगा, जिसकी प्राप्ति पर कम्पनी रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र:—

(क) हि० पे० कां० लि० द्वारा विहित फीस, जिसमें वह विहित फीस भी सम्मिलित है जो उसको प्राधिकृत शेयर पूंजी में वृद्धि करने के लिए इसमें यथा उपबंधित है के संवाय किए जाने पर, आदेश को रजिस्ट्रीकृत करेगा, और आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रामाणित करेगा;

(ख) हि० पे० कां० लि० के आपन और संगम-अनुच्छेद में आवश्यक परिवर्तन करेगा।

15. हि० पे० कां० लि० आपन और संगम-अनुच्छेद: हि० पे० कां० लि० का आपन और संगम-अनुच्छेद, जैसे के नियत दिन से ठीक पूर्व थे

इनके उद्देश्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट संशोधनों के अधीन रहते हुए, उसी दिन से हि० पे० कां० लि० के आपन और संगम-अनुच्छेद हो जाएंगे।

अनुसूची

(खण्ड 16 देखिए)

भाग एक-हि० पे० कां० लि० के संगम-आपन का संशोधन:—

(i) खण्ड 3 में, उपखण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित उप-खण्ड अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“(क-1) प्रकाशन, आपन, गतिशील शक्ति के लिए अथवा प्रौद्योगिक ईंधन या घरेलू ईंधन के रूप में उपयोग के लिए प्रवित पेट्रोलियम और अन्य गैसों के संपीड़न, बोतलबन्दी और वितरण का कारबार करना;

(क-2) प्रवित पेट्रोलियम गैस, अमोनिया और किसी भी प्रकृति की अन्य गैसों का विनिर्माण करने वाली किसी कम्पनी, सरकार या कानूनी निकाय या स्वशासी निकाय के अधिकृतियों, व्योहारियों, परिव्राहकों, बाहकों, बितरकों, प्रतिनिधियों के रूप में कार्य करना।”

(ii) खण्ड (प) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“(प-1) किसी प्रकार के खेलकूदों के लिए और बैसे खेलकूदों को खेलने के लिए या अन्य प्रकार के मनोविनोद या मनोरंजन के लिए किसी भूमि का अधिन्यास और तैयार करना तथा उससे सम्बन्धित उपयोग के लिए स्टैंडों और अन्य भवनों तथा उन सुविधाओं का अधिन्यास करना;

(प-2) विश्व के किसी भी भाग में सभी पूर्वगामी उद्देश्यों या उनके किसी भाग को, मासिकों अधिकृतियों, गुमास्तों, व्यापारियों, ठेकेदारों, के रूप में या अन्यथा, अकेले या किसी अन्य व्यक्ति, फर्म, संस्था, निर्गमित निकाय, नगरपालिका, प्रायत, राज्य, राज-निकाय या सरकार या कालोनी या उसके अधीन राज्य के साथ मिलकर, कार्यान्वित करना।”

(2) खण्ड (प) में, प्रथम पैरा के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्:—

कम्पनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 20,75,00,000 रु० (बीस करोड़ और पचहत्तर लाख रुपए हैं, जो प्रत्येक 100 रु० के 75000 (पचहत्तर हजार) अधिनियमानी शेयरों और प्रत्येक 1,000 रु० के 2,00,000 (दो लाख) साधारण शेयरों में विभक्त है, और क्रमशः उक्त अधिनियमानी या साधारण शेयरों से, उस के साथ के संगम अनुच्छेद में कथित तत्समिमत अधिकार, विशेषधिकार और शर्तें संलग्न होंगी।

भाग 2—संगम-अनुच्छेद के संशोधन:—

अनुच्छेद 3, में, उप-अनुच्छेद (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-अनुच्छेद रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) कम्पनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 20,75,00,000 रु० (बीस करोड़ और पचहत्तर लाख रुपए हैं जो प्रत्येक 100 रु० के 75,000 (पचहत्तर हजार) अधिनियमानी शेयरों और प्रत्येक 1000 रु० के 2,00,000 (दो लाख) साधारण शेयरों में विभक्त है।”

[सं० 74/2/78 के० वि० III]

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,
ए० नील कट्टन, सदस्य कम्पनी बोर्ड—

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

ORDER

New Delhi, the 9th May, 1978

S.O. 312(E).—Whereas Caltex Oil Refining (India) Limited is a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), and has its registered office at 'Caltex House', Fort, Bombay, and carries on the business of manufacturing and marketing petroleum products and operates an oil refinery at Vizagapatnam in Andhra Pradesh (India);

And whereas Hindustan Petroleum Corporation Limited is also a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), and has its registered office at 'Petroleum House', 17, Jasmshedji Tata Road, Bombay 400 020, and carries on the business of manufacturing and marketing petroleum products and operates oil refineries;

And whereas all the shares of both the companies are held by the Central Government, in the name of the President of India;

And whereas the Company Law Board is satisfied that it is essential in the public interest that Caltex Oil Refining (India) Limited should be amalgamated with Hindustan Petroleum Corporation Limited, so that the production, marketing and other activities of both the companies may be carried on more efficiently and economically by a single company;

And whereas a copy of the proposed Order has been sent in draft to both the companies, namely, Caltex Oil Refining (India) Limited and Hindustan Petroleum Corporation Limited, and the suggestions received from them having been duly considered by the Company Law Board and no objections having been received from anyone;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 443(E), dated the 18th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title.—This Order may be called Caltex Oil Refining (India) Limited and Hindustan Petroleum Corporation Limited Amalgamation Order, 1978.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,

(a) "appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette;

(b) CORIL means Caltex Oil Refining (India) Limited;

(c) HPCL means Hindustan Petroleum Corporation Limited.

3. Amalgamation of the Companies.—On the appointed day, the undertaking of CORIL shall stand transferred to, and vested in, HPCL, which Company shall, immediately on such transfer, be deemed to be the company resulting from the amalgamation.

Explanation.—The undertaking of CORIL referred to above shall be deemed to include all assets, rights, leases, tenancies, powers, authorities and privileges, trade marks, trade names, patent rights and licences for the use of patents and all property, movable and immovable, tangible or intangible (including cash and bank balances), reserve funds, book debts, outstandings, reserves, balances on revenue accounts, investments and all other rights and interests in, or arising out of, such property and rights as were, immediately before the appointed day, in the ownership, possession, power or control of CORIL in relation to its undertaking and all books, accounts, registers, records and all other documents of whatever nature relating thereto, and shall also be deemed to include all borrowings, debts and other liabilities (including the liability for the payment of any pension and other pensionary benefits to the persons employed in relation to its undertaking) and obligations of whatever kind then subsisting of CORIL in relation to its undertaking.

4. Transfer of certain items of property.—For the purposes of this Order, all the profits and losses and reserves of CORIL, as on the day immediately preceding the appointed day, shall be transferred to HPCL as follows, namely :—

(a) Profits or losses shall be transferred to the profits or losses respectively of HPCL;

(b) Development rebate reserve shall be transferred to the Development Rebate Reserve of HPCL;

(c) Revenue and Capital Reserves shall be transferred to the Revenue and Capital Reserves of HPCL.

5. Saving of contracts, etc.—Subject to the other provisions contained in this Order and without prejudice to the powers conferred on Central Government under Section 15 of the Caltex [Acquisition of Shares of Caltex Oil Refining (India) Limited and of the Undertakings in India of Caltex (India) Limited] Act, 1977, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which CORIL is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall, as from that day, be of as full force and effect against, or in favour of, HPCL, as the case may be, and may be enforced as fully and effectually as if, instead of CORIL, HPCL has been a party thereto or as if they had been executed in favour of HPCL.

6. Saving of legal proceedings.—If, on the appointed day, there is pending any suit, arbitration, appeal or other revenue or legal proceeding of whatever nature by or against CORIL, the same shall not abate, be discontinued or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to HPCL of the undertaking of CORIL or of anything contained in this Order, but the suit, arbitration, appeal or other proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against HPCL in the same manner and to the same extent as it would or might have been continued, prosecuted and enforced by or against CORIL, if this Order had not been made.

7. Capital structure of HPCL.—(1) As from the appointed day the authorised share capital of HPCL shall stand increased from Rs. 10,75,00,000 (Rupees ten crores seventy-five lakhs) to Rs. 20,75,00,000 (Rupees twenty crores seventy-five lakhs) divided as follows :—

(a) Cumulative Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each	Rs. 75,00,000
(b) Equity Shares of Rs. 1,000 each	Rs. 20,00,00,000
Total	Rs. 20,75,00,000

(2) HPCL shall issue 52,000 fully paid up equity shares of the aggregate value of Rs. 5,20,00,000 (Rupees five crores twenty lakhs) which shall be allotted to the President of India.

8. Rights of equity shareholders.—(1) As soon as may be after the appointed day, the Board of Directors of HPCL shall prepare new share certificates representing 52,000 equity shares of HPCL of Rs. 1,000 each.

(2) HPCL shall send by post to the Central Government represented by the Secretary to the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers, a notice giving particulars of the share certificates to be issued in terms of their entitlement under sub-clause (2) of clause 7.

9. Provision with respect of taxation.—All taxes in respect of the profits and gains of the business carried on by CORIL before the appointed day shall be payable by HPCL to the same extent as they would have been payable by CORIL, if this Order had not been made.

10. Provisions respecting existing officers and other employees.—(1) Every whole-time officer or other employee (not including directors) employed immediately before the appointed day in CORIL shall, as from the appointed

day, become an officer or other employee, as the case may be, of HPCL and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as to pension, provident fund or gratuity as would have been admissible to him under CORIL if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in HPCL is duly terminated and until his remuneration and conditions of service are duly altered by HPCL.

(2) The persons holding office, immediately before the appointed day, as the auditors of CORIL, shall be the auditors of HPCL in respect of the undertaking of CORIL so amalgamated and shall hold office until the conclusion of the next annual general meeting after the appointed day, provided that the audit procedure shall, as from the appointed day, be governed by the provisions of sub-section (3), (4) and (5) of section 619 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

11. Provident, superannuation, welfare and other Funds.—(1) Where CORIL had established a provident, superannuation, welfare or any other fund for the benefit of its officers and other employees and constituted a trust in respect thereof (hereinafter in this clause referred to as an existing trust), the moneys standing to the credit of such funds on the appointed day, together with other assets belonging to such funds, shall stand transferred to, and vested in, HPCL on the appointed day free from any such trust.

(2) HPCL shall, as soon as may be, after the appointed day, constitute in respect of moneys and other assets which are transferred to, and vested in it, under sub-clause (1), one or more trusts having objects, terms and conditions similar to those of the existing trust as in the circumstances may be practicable, so, however, that the rights and interests of the beneficiaries of the existing trust shall not in any way be diminished or prejudiced.

(3) Where all the moneys and other assets belonging to an existing trust are transferred to, and vested in HPCL under this clause, the trustees of such trust shall, as from the appointed day, stand discharged from the trust, except as respects things done or omitted to be done before the appointed day.

12. Board of Director of HPCL.—Every director of CORIL holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of CORIL on the appointed day.

13. Dissolution of CORIL.—Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, CORIL shall be dissolved, and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against CORIL or against any director or officer thereof in his capacity as such director or officer, except insofar as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

14. Registration of the Order by the Registrar of Companies.—The Company Law Board shall, as soon as may be, after the issue of this Order, send to the Registrar of Companies, Maharashtra, a copy of this Order together with the printed copy of the Memorandum and Articles of Association of HPCL, as amended by this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Maharashtra shall:—

- (a) register the Order on payment of the prescribed fees by HPCL inclusive of the prescribed fees for increase in its authorised share capital as provided herein and shall certify under his hand the registration thereof, within one month from the receipt of the copy of the Order by him; and

- (b) make necessary alterations in the Memorandum and Articles of Association of HPCL.

15. Memorandum and Articles of Association of HPCL.—The Memorandum and Articles of Association of HPCL, as they stood immediately before the appointed day, shall as from that day, be the Memorandum and Articles of Association of HPCL, subject to the amendments specified in the Schedule attached hereto.

THE SCHEDULE

(See clause 15)

Part I—Amendments to the Memorandum of Association of HPCL

(1) In clause III, after sub-clause (a), the following clauses shall be inserted, namely:—

“(a-i) To carry on the business of compressing, bottling and distributing liquified petroleum and other gases for lighting, heating, motive power or for use as industrial fuel or domestic fuel.

(a-ii) To act as agents, dealers, transporters, carriers, distributors, representatives of any company, government or statutory body or autonomous body manufacturing liquified petroleum gas, ammonia and other gases of any nature whatsoever.”

(ii) after clause (u), the following clauses shall be inserted, namely:—

“(u-i) To lay out and prepare any lands for any kind of athletic sports and for the playing of such sports or other kind of amusement or entertainment and to construct stands and other buildings and conveniences for use in connection therewith;

(u-ii) To carry out in any part of the world all or any part of the foregoing objects as principals, agents, factors, trustees, contractors, or otherwise, either alone or in conjunction with any other person, firm, association, corporate body, municipality, province, state, body politic or government or colony or dependency thereof.”

(2) In clause V, for the first paragraph, the following paragraph shall be substituted, namely:—

“The authorised share capital of the company is Rs. 20,75,00,000 (Rupees twenty crores and seventy-five lakhs), divided into 75,000 (seventy-five thousand) preference shares of Rs. 100 each and 2,00,000 (two lakhs) equity shares of Rs. 1,000 each, and there shall be attached to the said preference and equity shares respectively the rights, privileges and conditions in that behalf stated in the accompanying Articles of Association.”

Part II—Amendments to the Articles of Association

In Article 3, for sub-article (1), the following sub-article shall be substituted, namely:—

“(1) The authorised share capital of the Company consists of Rs. 20,75,00,000 (Rupees twenty crores and seventy-five lakhs) divided into 75,000 (seventy-five thousand) preference shares of Rs. 100 each and 2,00,000 (two lakhs) equity shares of Rs. 1,000 each.”

No. 24/2/78-CL III

By Order of the Company Law Board

A. NEELAKANTAN, Member,

Company Law Board

